जलवायु परिवर्तन के कारण पत्तियां सिकुड़ी

यदि आप सोच रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन के असर से बढ़ते तापमान से बचने के लिए पेड़ों की छाया में चले जाएंगे तो पहले यह जान लीजिए कि मौसम के गर्म मिज़ाज के कारण कुछ पौधों की पत्तियां सिकुड़ने लगी हैं।

मगर जो खबर छाया-प्रेमियों के लिए तकलीफदायक है, वह पेड़-पौधों के संरक्षण के लिए अच्छी खबर साबित हो सकती है क्योंकि इससे पता चलता है कि पेड़-पौधे जलवायु परिवर्तन के साथ तेज़ी से तालमेल बैठा रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड विश्वविद्यालय के वनस्पति वैज्ञानिक एंड्रूयू लोव कहते हैं कि अक्सर हम समझते हैं कि जलवायु परिवर्तन भविष्य में होने वाला है। मगर हकीकत यह है कि जलवायु परिवर्तन के असर दिखने भी लगे हैं।

लोव का कहना है कि पहले के अध्ययनों में जलवायु परिवर्तन के कारण पौधों में फूल आने के समय और जानवरों के पलायन के पैटर्न पर असर को देखा गया है। लेकिन उनका अध्ययन पहला प्रमाण है कि जलवायु परिवर्तन का असर पौधों के आकार पर भी हो रहा है।

लोव और उनके साथियों ने एक ऑस्ट्रेलियन झाड़ी *डोडोनिया विस्कोसा* के नमूनों का विश्लेषण करने पर पाया कि उनकी पत्तियों की चौड़ाई में 127 वर्षों में औसतन 2 मिलीमीटर यानी करीब 40 प्रतिशत की सिकुड़न हुई है। ये निष्कर्ष उन्होंने इस झाड़ी की पत्तियों के पहले से सुरक्षित रखे पुराने नमूनों और आजकल पाई जाने वाली पत्तियों की तुलना के आधार पर प्राप्त किए हैं।

एडिलेड युनिवर्सिटी के ही ग्रेग ग्यूरिन का मानना है कि यह एक अच्छी खबर है कि ऑस्ट्रेलियन पौधों की कुछ प्रजातियों ने जलवायु परिवर्तन के चलते अपने आप में बदलाव दिखाया है।

ग्यूरिन का कहना है कि पत्तियों के आकार में परिवर्तन के तीन कारण हो सकते हैं। पहला कारण हो सकता है लचीलापन जिसके चलते गर्म मौसम में पत्तियों का आकार छोटा हो गया। दूसरा कारण पलायन हो सकता है यानी जो पौधे पहले अपेक्षाकृत उत्तरी इलाकों में पाए जाते थे वे अब दक्षिण की ओर बढ़ रहे हैं। तीसरी संभावना यह हो सकती है कि पत्तियों में जलवायु अनुकूलनकारी विकास हो रहा है।

वैसे ग्यूरिन का कहना है कि ज़रूरी नहीं कि सारी प्रजातियों में इतना ही लचीलापन या अनुकूलन क्षमता हो। ऐसे में उनमें पलायन ही देखने को मिलेगा। लोव और उनकी टीम का अगला कदम यह देखना होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण क्या अन्य प्रजातियों में परिवर्तन हो रहे हैं और क्या पौधों के अन्य गुणधर्मों में भी परिवर्तन हो रहे हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***